(ग) गत वर्ष अर्थात 1991–92 की तुलना में चालू वर्ष में खपत हेतु मांग में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस वृद्धि को ध्यान में रखते हुए गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष घरेलू उत्पादन में कमी का प्रतिशत क्या रहने की संभावना है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) वर्ष 1991–92 और 1992–93 के दौरान आयात निम्नलिखित है :—

मात्रा : एम एम टी
मूल्य : अमेरिकी मिलियन डालर

	1991–92*		1992–93*	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
क्रूड	23.994	3001	29.420	3903.95
पेट्रोलियम उत्पाद	9.445	2001	10.505	2211.77

*अस्थायी

पेट्रोल का आयात नहीं किया जाता है।

(ग) गत वर्ष (1991–92) की तुलना में चालू वर्ष में खपत में अनुमानित प्रतिशत वृद्धि 4.3 है। घरेलू उत्पादन मांग में वृद्धि/कमी पर निर्भर नहीं करता है जिसे आयातों के प्रति समायोजित किया जाता है।

Crude oil prices in the International Market

309. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state·

(a) whether there has been a fall in the international price of crude oil;

(b) if so, what are crude oil prices in international market during last three months;

(c) the manner in which the fall has benefited India; and

(d) what is the projection for the next two years?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) to (c) the monthly average crude oil price in the international market during last few months (October, 1992–January 1993) was between US $ 21.53 — 15.19 per barrel. Based on actual weighted average price, for this period the country has saved about US $150.56 million in foreign exchange.

(d) The market price in future will depend on many factors such as actual production by oil producing countries, volume of demand, etc.

Shortfall in crude oil Production

310. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to to state:

(a) shortfall in the crude oil production during 1992-93;

(b) whether Government propose to carry out a 'Crash Programme' to make up this shortfall; and

(c) if so, details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) The expected shortfall in crude production during 1992-93 is 1.7 million tonnes.

(b) and (c) An action plan is being implemented largely to provide incremental production in 1993-94. This includes early production from some well platforms of Neelam and Panna fields, accelerating water injection and gas lift, deepening of some existing wells, workover operations, etc.

गुजरात में पेट्रोल पम्पों द्वारा पेट्रोल में मिलावट किया जाना

311. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को विभिन्न पेट्रोल पम्पों द्वारा पेट्रोल में कुछ अन्य तेल मिलाये जाने के बारे में शिकायतें प्राप्त हुई हैं ;

(ख) यदि हां, तो गुजरात में ऐसे पेट्रोल पम्पों की संख्या कितनी है जिनके विरुद्ध जनता की ओर से शिकायतें प्राप्त हुई हैं ; और

(ग) पेट्रोल में मिलावट को रोकने के लिये क्या कदम उठाए गये हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) गुजरात में चार खुदरा बिक्री केन्द्रों के विरुद्ध शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जांच किये जाने पर एक मामला स्थापित हुआ जिसके डीजल में मिलावट पाई गई थी। इस खुदरा बिक्री केन्द्र को की जाने वाली आपूर्ति दिसम्बर, 1992 से रोक दी गयी है।

(ग) पेट्रोल में मिलावट को रोकने के लिए निम्नलिखित उपाय किये जाते हैं :--

(1) तेल कम्पनी के अधिकारियों द्वारा नियमित और अचानक जांच।

(2) पेट्रोल और डीजल नियंत्रण आदेश, 1990 के अंतर्गत उसके वनत्व की जांच।

(3) चुनिन्दे स्थानों पर मिटटी के तेल में फरफुरल का मिश्रण।

(4) चल प्रयोगशालाओं द्वारा अचानक निरीक्षण।

(5) राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा खुदरा बिक्री केन्द्रों का अचानक निरीक्षण।

पेट्रोलियम विभाग और संबंधित उपक्रमों/संगठनों में भ्रष्टाचार

312. **श्री गोपालसिंह जी० सोलंकी :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पेट्रोलियम मन्त्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन उपक्रमों/संगठनों में भ्रष्टाचार के संबंध में कोई सूचना मिली है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान कितने अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है और कितने अधिकारियों को नौकरी से निकाला गया

(ग) क्या यह सच है कि भ्रष्टाचार तथा कदाचार के मामलों में सजा के तौर पर अधिकारियों का केवल स्थनातरण कर दिया गया है ; और

(घ) भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?